म्हारा पियाजी एकर मिलवा आव भजन लिरिक्स

तन की पीड़ा मनवो लखे रे,
मन पीड़ा मन पाव,
ज्यारा साजन बिछुड़े रे,
पड़े कलेजे घाव,
म्हारा पियाजी एकर मिलवा आव,
चढ़यो विरह रो ताव,
म्हारा पियाजी,
एकर मिलवा आव।bd।

मैं तो गेली गेलाया किनी रे,
आवत देख्यो न ताव,
पत्थर दिल से प्रीत लगाई,
कैसे होवे निभाव,
म्हारां पियाजी एकर मिलवा आव।bd।

आद अनादि आपां भेला होता रे,
आखिर मिलवा रो काव,
बीच बिछोड़ा कैसे होया है,
कैसे होवे रे निभाव,
म्हारां पियाजी एकर मिलवा आव।bd।

बिन जल रो जल्दी जल भरयो रे,
ता नहीं लागे नाव.
अंदर द्वंद अनोखो रचियो,
चारो ओर तनाव,
म्हारां पियाजी एकर मिलवा आव।bd।

मदन स्नेही जान आपरो रे,
लख भीतर रो भाव,
के तो आय मिलो पियू प्यारा,
नहीं तो म्हाने ने बुलाय,
म्हारां पियाजी एकर मिलवा आव।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तन की पीड़ा मनवो लखे रे,
मन पीड़ा मन पाव,
ज्यारा साजन बिछड़े रे,
पड़े कलेजे घाव,
म्हारा पियाजी एकर मिलवा आव,
चढ़यो विरह रो ताव,
म्हारा पियाजी,
एकर मिलवा आव।bd।

गायक – ओम प्रकाश जी आर्य।
प्रेषक – पुखराज पटेल।
+91 9784417723

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com